महावीर सीनियर मॉडल स्कूल
विषय-हिंदी, कक्षा-छठी
शीतकालीन गृहकार्य (2025-26)

सामान्य निर्देश :

- सभी उत्तर साफ़ और सुंदर लिखावट में लिखें।
- रचनात्मकता और मौलिक सोच को महत्व दीजिए।
- इस सभी कार्य को आप अपनी व्याकरण की कॉपी में करके लाएंगे।

प्रश्न.1 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

(क) अपने मित्र को पत्र लिखिए जिसमें आप उसे बताएँ कि शीतकालीन अवकाश में आपने कौन-सी अच्छी आदतें अपनाईं और ये आदतें आपके व्यक्तित्व को कैसे बेहतर बनाती हैं।

अथवा

(ख) वर्तमान समय में मौसम में हो रहे बदलावों का अपने दैनिक जीवन पर प्रभाव बताते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

प्रश्न.2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।

(ख) विद्यालय के नियम और अनुशासन

संकेत बिंदु :

- नियमों का उद्देश्य
- नियमों से मिलने वाले लाभ
- नियम न मानने के परिणाम
- छात्रों की भूमिका

(ख) मेरी मातृभाषा हिंदी और मेरा जीवन

संकेत बिंदु :

- घर और विद्यालय में हिंदी का प्रयोग
- भावनाओं की अभिव्यक्ति में हिंदी
- अनुभवों से जुड़ाव
- गर्व की अनुभूति

प्रश्न.3 'चेतक की वीरता में' प्रकृति का जादू किसे कहा गया है? इस अभिव्यक्ति से आप क्या समझते हैं? अपने विचार पाठ के संदर्भ में और अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. काव्य-बोध : 'मैया मैं नहीं माखन खायो.....

(क) प्रस्तुत पद में बालकृष्ण के चरित्र की कौन-कौन सी झलकियाँ मिलती हैं?

(ख) यह पद हमें बाल-मनोविज्ञान के बारे में क्या बताता है?

(ग) आज के बच्चों और उस समय के बच्चों में कोई दो समानताएँ लिखिए।

प्रश्न.5 'परीक्षा' पाठ के आधार पर बताइए कि सुजान सिंह ने किसान का वेश धारण कर उम्मीदवारों की परीक्षा क्यों ली? इस परीक्षा से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

प्रश्न.6 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए-

हिंदी हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, भावनाओं और विचारों की सशक्त अभिव्यक्ति है। हिंदी के माध्यम से हम अपने मन की बात सरल और प्रभावशाली ढंग से कह सकते हैं। इसी महत्व को दर्शाने के लिए हर वर्ष 10 जनवरी को हिंदी विश्व दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हिंदी केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व के अनेक देशों में बोली और समझी जाती है। आज के समय में जब अंग्रेज़ी का प्रभाव बढ़ रहा है, तब भी हिंदी अपनी मधुरता और सरलता के कारण लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाए हुए है। हिंदी भाषा हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है और हमारी पहचान को मजबूत बनाती है। यदि विद्यार्थी हिंदी में पढ़ना, लिखना और बोलना सीखें, तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। हिंदी केवल एक विषय नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और एकता का माध्यम है। जब हम अपनी भाषा का सम्मान करते हैं, तब हम अपने देश और संस्कृति का सम्मान करते हैं। इसलिए हर विद्यार्थी को हिंदी को अपनाना, उसका सही प्रयोग करना और उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

(i) हिंदी विश्व दिवस कब मनाया जाता है?

(क) 14 सितंबर (ख) 10 जनवरी (ग) 2 अक्टूबर
(घ) 26 जनवरी

(ii) हिंदी किसका माध्यम है?

(क) केवल मनोरंजन का (ख) शोर, घूमने फिरने का
(ग) ज्ञान, संस्कार और एकता का (घ) खेलकूद का

(iii) हिंदी हमें किससे जोड़ती है?

(क) केवल पुस्तकों से (ख) मित्रों से
(ग) अपनी जड़ों और पहचान से (घ) खेलों से

(iv) हिंदी भाषा विद्यार्थियों में क्या बढ़ाती है?

(क) भय (ख) आलस्य (ग) आत्मविश्वास
(घ) भ्रम

(v) प्रस्तुत गद्यांश से हमें क्या सीख मिलती है?

(क) हिंदी को भूल जाना चाहिए (ख) केवल अंग्रेज़ी बोलनी चाहिए
(ग) हिंदी का सम्मान और सही प्रयोग करना चाहिए (घ) भाषा का कोई महत्व नहीं है

प्रश्न.7 नीचे दिए गए पठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

देवगढ़ राज्य के दीवान सज्जनसिंह ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति थे। उन्होंने वर्षों तक निष्ठा से राजकार्य किया था। बढ़ती उम्र और कमज़ोर स्वास्थ्य के कारण उन्होंने महाराज से पद छोड़ने की अनुमति माँगी। उनका

मानना था कि यदि उनसे कोई भूल हो गई, तो राज्य को हानि पहुँच सकती है। महाराज ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, पर सज्जनसिंह अपने निर्णय पर अडिग रहे। उन्होंने सुझाव दिया कि नया दीवान चुनने के लिए राज्य में परीक्षा रखी जाए। इसके लिए विज्ञापन निकाला गया और अनेक योग्य व्यक्ति आए। कुछ लोग बहुत पढ़े-लिखे थे, तो कुछ साधारण दिखते थे। परीक्षा के दौरान उनके व्यवहार और आचरण पर ध्यान दिया गया। एक दिन रास्ते में एक किसान की गाड़ी नाले में फँस गई। कई अभ्यर्थी उसे देखकर आगे बढ़ गए। तभी एक खिलाड़ी, जो स्वयं घायल था, किसान की सहायता के लिए रुका। उसने परिश्रम से गाड़ी निकलवाई और किसान की समस्या दूर की। यह देखकर सज्जनसिंह समझ गए कि सच्ची योग्यता केवल ज्ञान में नहीं, बल्कि संवेदना और कर्म में होती है।

(i) दीवान सज्जनसिंह ने पद छोड़ने का निर्णय क्यों लिया तथा इस निर्णय से उनके व्यक्तित्व का कौन-सा गुण प्रकट होता है?

(ii) परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों के व्यवहार पर ध्यान देना क्यों आवश्यक था?

(iii) किसान की गाड़ी नाले में फँसने की स्थिति कहानी में क्यों रखी गई है?

(iv) घायल खिलाड़ी ने सहायता करने का निर्णय क्यों लिया और उसके इस कार्य से कौन-सी जीवन-मूल्य शिक्षा मिलती है?

(v) सज्जनसिंह ने खिलाड़ी को योग्य क्यों माना?

विषय अध्यापिका

मीनाक्षी